

कुछ नेता सब जानते हैं लोकिंग इतने भोले बनते हैं कि उनको कुछ भी नहीं मालूम है, ऐसे लोग देश व राज्य के लिए खतरनाक होते हैं क्योंकि वह कहते हैं और करते कुछ हैं। इसलिए उनके कहे को कभी गंभीरता से नहीं लेता है। वह आए दिन उल्टे सीधे बयान देते रहते हैं लेकिन केंद्र सरकार, राज्य के लोग व देश के लोग उनके बयाने को गंभीरता से नहीं लेते हैं। फारुक अब्दुल्ला ऐसे ही नेता हैं। वह कब क्या कहेंगे, कब क्या करेंगे, कोई ठिकाना नहीं है, उमर हो गई है, आराम से रहना चाहिए लेकिन आए दिन बयान देकर विवादों में घिर जाते हैं, उनके बयान की देश भर में आलोचना होती है। हाल ही में उन्होंने फिर इस तरह का एक बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा है कि सेना को कश्मीर में बुस कर हमला करने वाले आतंकियों को मारना नहीं चाहिए, उनको गिरफ्तार करना चाहिए, उनसे पूछताछ करना चाहिए, ताकि पता चले कि कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार को कौन अस्थिर करने की साजिश कर रहा है। हो सकता है कि वह पहले की तरह चाहते हों कि आतंकियों को मारा न जाए, उनको गिरफ्तार कर पूछताछ की जाए, पहले ऐसा होता था इससे आंतकवाद व अलगाववाद कश्मीर में समाप्त ही नहीं होता था। सरकार गिरफ्तार

ती थी, जेल में रखती थी, उन पर पैसे खर्च करती थी, केन मोदी सरकार ने यह सब बंद कर दिया। उसका सिधा आदेश है कि आतंकवादी हैं तो जहां दिखे मार पहले सरकार नम्र थी तो आतंकियों में मारे जाने का नहीं था, अब आतंकवादी जानते हैं कि भारत की तरफ में जाने का मतलब है कभी भी मारा जाना। जहां सवाल कि उमर सरकार को अस्थिर करने की जेश कौन कर रहा है तो यह कोई छिपी हुई बात तो है। पाक पालित व पोषित आतंकवादी कश्मीर में आए हगला क्यों करते हैं। पहले जिस मकसद से करते थे ज भी उसी मकसद से करते हैं। ऐसा तो हो नहीं सकता कि कश्मीर में राष्ट्रपति शासन के दौरान पाक के तत्वादियों का मकसद कुछ अलग था और आज कश्मीर जनता की चुनी हुई सरकार है तो उनका मकसद ल गया है। फारुक अब्दुल्ला तो आतंकियों के हमले की विंचिता नहीं है, क्योंकि उनकी सरकार के समय तो तत्कावादी हमले होते रहते थे। उनको डर इस बात का कि अगर इसी तरह आतंकवादी हमले होते रहे तो कार को उमर सरकार को भाँग कर राज्य में राष्ट्रपति नन लागू करने का मौका मिल जाएगा। इसलिए वह तत्कावादी हमले को उमर सरकार को पिराने की साजिश

गई है लेकिन पाकिस्तान नहीं सुधारा है वह खुद बरसों से आंतकवाद की समस्या से परेशान है, पहले पाकिस्तान में बम के धमाके नहीं होते थे, पाकिस्तान के लोग मारे नहीं जाते थे लेकिन अब तो पाकिस्तान में भी आंतकवादी वही सब कर रहे हैं जो भारत, ईरान, अफगानिस्तान में करते हैं। पाकिस्तान कम से आंतकवादी हमले पाकिस्तान में होने के बाद तो सबक लेना चाहिए लेकिन वह कोई सबक लेने का तैयार नहीं है। वह न अपने यहां शांति रहने देना चाहता है, न ही पड़ोसी देशों के सीमा से लगे गज्जों में शांति रहने देना चाहता है। कश्मीर घाटी में सेना ने आंतकवादियों को पूरी तरह समूल नाश कर दिया है। इससे कश्मीर घाटी में बीच में आंतकवादी हिंसा बंद हो गई थी, उसने जम्मू में आंतकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। उसका मकसद इन आंतकवादी हमलों से सिर्फ विश्व को यह बताना था कि जम्मू कश्मीर में आंतकवाद व अलगाववाद खत्म नहीं हुआ है। चुनाव हो जाने से उसका यह प्रचार झूटा साबित हो गया है जिसमें वह कहा करता है कि कश्मीर के लोग तो अलग देश चाहते हैं, पाकिस्तान को सबसे बड़ा झटका तो जम्मू कश्मीर में बिना खून खराबे को चुनाव हो जाने से लगा है क्योंकि इससे साबित होता है कि कश्मीर के लोग अलग देश नहीं चाहते हैं, वह भारत के साथ रहना चाहते थे। कश्मीर में आंतकवाद व अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए जो देश पाकिस्तान को बहुत सारा पैसा देते थे, अब वह पैसा नहीं दे रहे हैं, इससे भी पाकिस्तान को हालत और खराब हो गई है, क्योंकि उसके लिए भारत आंतकवादी भेजना मुश्किल हो गया है। वह आंतकवादी बरसों में तैयार करके भेजता है और भारतीय सेना उनको एक दिन में घेर कर मार देती है। पाकिस्तान को आंतकवाद के साथ खड़े होने के कारण हर वैश्विक मंच पर नकारा जा रहा है क्योंकि वहां भारत मौजूद रहता है और वैश्विक के देशों को आंतकवाद के खिलाफ खड़े होने के लिए तैयार करता है और आंतकवादियों का समर्थन करने के कारण ऐसे देशों को वैश्विक मंच में जगह देने का पुरजोर विरोध भी भारत करता है। भारत के विरोध के चलते ही पाकिस्तान को ब्रिक्स की सदस्यता नहीं मिल रही है। पाकिस्तान के भारत से अच्छे संबंध होते तो आज पाकिस्तान की जो हालत है कम से कम वह तो नहीं होती। भारत अपने पड़ोसी देशों की हर तरह की मदद करता है, बदले में वह चाहता है कि विदेशी ताकतों का वह खिलौना न बने क्योंकि उसका परिणाम भारत से ज्यादा उनके लिए बुरा साबित हुआ है।

संपादकीय

सब जानते हैं साजिश के पीछे कौन है

કે પીછે કૌન હૈ

के पीछे कौन है

विशेष लेख

पवन गुप्ता, संयुक्त संचालक जनसंपर्क

विशेष लेख

कमलेश साहू

राज्य के विकास की नष्टि पर साय सरकार की मजबूत पकड़

छत्तीसगढ़ के नात निधरकर का दा कारका पर विशेष ध्यान रखना पड़ता है एक तो यहां की आदिवासी बहुल आबादी और दूसरी यहां की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था। राज्य की नीतियां तय करते समय इन दोनों की अनदेखी नहीं की जा सकती, दोनों को ही बराबर महत्व देना पड़ता है। हाल ही में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सहित देश में माओवादी आतंक के खात्मे के प्रति केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। केन्द्र के इस फैसले ने राज्य को समृद्धि के रास्ते में आगे जाने के संकल्प को और मजबूती दी है। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही यहां मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को लेकर काम करना शुरू कर दिया है। लगभग तीन करोड़ की आबादी वाला यह राज्य आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे रहा है। साथ सरकार ने छत्तीसगढ़ की बांगडोर संभालते ही राज्य के विकास की दिशा को तय करने वाले दो प्रमुख कारकों आदिवासी समुदाय और किसान दोनों पर शुरू से ही ध्यान दिया है। राज्य में लोगों को स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन के बायद को लेकर आयी साय सरकार आई.टी. और ए.आई आधारित प्रणाली को पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनाना शुरू कर दिया है। राज्य में कृषक उन्नति योजना खेती-किसानी के लिए एक नया संबल बनी है। इसके चलते कृषि समृद्ध और किसान खुशहाल हुए हैं। राज्य में खेती-किसानी को नई ऊर्जा मिली है। राज्य में उन्नत खेती को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य सरकार के किसान हितैषी फसलों का असर अब खेती-किसानी में साफ दिखाई देने लगा है। उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग खेती-किसानी में बढ़ा है। बीते खरीफ विष्णुपुर्ण वर्ष में किसानों से 145 लाख मीट्रिक टन धान समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है, जिसके एवज में 32 हजार करोड़ रूपए भुगतान किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्प के अनुरूप राज्य के किसानों को दो साल के धान की बकाया बोनस राशि 3716 करोड़ रूपए का भुगतान किया। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसानों को धान की मूल्य की अंतर राशि के रूप में 13 हजार 320 करोड़ रूपए का

A portrait photograph of Kishan Reddy, a man with dark hair and glasses, wearing a pink Nehru jacket over a white shirt. He has a red bindi on his forehead. The background is a plain, light color.

आर अन्य हस्ता मा आवादा आतक का समाप्त करने के लिए सख्ती से कदम उठाए गए हैं। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार आपसी तालमेल बनाए हुए हैं। माओवादी आतंक भी अब कुछ ही क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। यहां नियट नेल्लानार जैसी नवाचारी योजना से लोगों का सरकार के प्रति फिर से विश्वास लौट रहा है। माओवादी आतंक से प्रभावित क्षेत्रों में सुशा कैप्प के आस-पास के दायरे में लोगों की मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ केन्द्र और राज्य सरकार के शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जा रही है। माओवादी आतंक से प्रभावित जिलों में युवाओं को तकनीकी व्यवासायिक पाठ्यक्रम में पढ़ाई के लिए व्याज मुक्त ऋण की सुविधा दी जा रही है। इस पहल से आदिवासी समुदाय की युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। बनवासियों की आय बढ़ने के लिए बनोपज के संग्रहण और प्रसंस्करण पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। लघु बनोपज की खरीदी समर्थन मूल्य पर हो रही है। इन लघु बनोपजों का बनधन केन्द्रों में प्रसंस्करण भी किया जा रहा है। बनवासियों को तेन्दुपत्ता परिश्रमिक भी बढ़ाकर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना में 70 लाख महिलाओं को हर महीने एक-एक हजार रुपए की राशि उनके बैंक खाते में सीधे अंतरित की जा रही है। अब तक इसकी नौ किस्स जारी की जा चुकी है। प्रदेश में नई शिक्षा नीति भी लागू कर दी गई है। राज्य में मातृभाषा में बच्चों को शिक्षा देने के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। जनजातीय समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। माओवादी प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए 15 प्रयास आवासीय विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों में मेधावी विद्यार्थियों को अखिल भारतीय मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी के लिए संचालित यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई है।

जल जीवन मिशन बदल रहा महिलाओं का जीवन

धर के आगम म नल से गर ही पानी की धर ने महिलाओं का जीवन ही बदल दिया है। जल नीवन मिशन महज हर घर तक यजल पहुंचाने की योजना नहीं है। यह दूरस्थ अंचलों और गांवों में महिलाओं की दिनचर्या और जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। गांवों में उत्तरप्रागत रूप से घर में पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए पानी के उत्तमाम का जिम्मा महिलाओं पर रखा गया है। घर तक पानी की पहुंच न देने के कारण उन्हें हैंडपंपों, नार्वर्जनिक नलों, कुंओं या अन्य त्रोतों से रोज पूरे परिवार के लिए नल संकलन करना पड़ता है। जोनाना का यह श्रमसाध्य और समयसाध्य काम बारिश तथा बीषण गर्मी के दिनों में दुष्कर हो जाता है। कई इलाकों में गर्मियों में नलस्रोतों के सूख जाने के कारण प्र-दूर से पानी लाने की मजबूरी हती है। परिवार के लिए पानी की यवस्था हर दिन का संघर्ष बन जाता है। महिलाओं के दिन के कई टेंटे इसी काम में निकल जाते हैं। धानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हर घर एक नल से जल पहुंचाने के सपने को पूरा करने का जल जीवन मिशन पेयजल के साथ ही महिलाओं को कई समस्याओं से बचाना जाता दिला रहा है। घर तक बच्चे और सुरक्षित पेयजल पहुंचने से वे कई चिंताओं से मुक्त हो गई हैं। अब रोज-रोज पानी के लिए बहुत सारा श्रम और समय नहीं लगाना पड़ता। इससे उन्हें घर के दूसरे कामों, बच्चों की वारिश, खेती-बाड़ी एवं भाजीविका के अन्य कार्यों के लिए भूमिका के अन्य कार्यों पर अपना ज्यादा ध्यान व समय दे पारही हैं। बारहों महीने घर

सुशासन से छत्तीसगढ़ ने पकड़ी विकास की रफ्तार

पंकज गुप्ता, संयुक्त संचालक जनसंपर्क

इस राज्योत्सव पर छत्तीसगढ़ 24 वर्ष का हो गया। युवा छत्तीसगढ़ पिछले 10 महीने के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार में तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर हो चला है। सड़कों, रेल लाइनों समेत अधोसंरचना के क्षेत्र में राज्य ने बीते 24 वर्षों में निरंतर प्रगति की है। रायपुर एयरपोर्ट देश के तमाम बड़े शहरों से जुड़ गया है। जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर में हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। बस्तर और सरगुजा के आदिवासी बहुल क्षेत्रों तक सड़कों का जाल बिछ चुका है। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन का देश के आधुनिकतम रेलवे स्टेशनों में शुभार होने लगा है। गांव-गांव तक बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा चुकी हैं। राजधानी रायपुर शिक्षा का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। बस्तर में एनएमडीसी का स्टील प्लाट प्रारंभ हो चुका है। राज्य की कला, संस्कृति, वनोपज, हस्तशिल्प आदि की अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुकी है। आज से 24 साल पहले जब राज्य बना था, तब से लेकर साल भर रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये की गई है। 12 लाख 50 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को इसका लाभ मिल रहा है। संग्राहकों को चरण पादुका वितरित करने की योजना भी लागू होने जा रही है। विष्णु सरकार ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अंत्योदय के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर रखा है। प्रशासन में पारदर्शिता, आम जनता की सुनवाई, नारी, गरीब, किसान, युवा के लिए अवसरों के द्वारा खोलने का काम इस सरकार ने किया है।

महतारी वंदन योजना-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरण्टी के अनुरूप राज्य की 70 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में प्रति माह 1000 रुपये अंतरित किए जा रहे हैं। 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में महतारी वंदन योजना का शुभारंभ किया गया था। इस योजना की 9 वीं किशत हाल में यहां पहुंचीं राष्ट्रपति महामहिम द्वौपदी मुर्मु ने जारी की। महिलाओं की उन्नति के लिए सरकार कई कार्यक्रम चला रही है। कांग्रेस की सरकार ने महिला समूहों से रेडी ट ईट का काम छीन लिया था। मुख्यमंत्री ने उन्हें दोबारा यह

विभाग का गठन किया गया है। इंसमीक्षा, इलोक्सेवा गारंटी तथा डिजिटल स्क्रेटरिएट अब सुशासन एवं अभिसरण विभाग के जिम्मे होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन 25 दिसंबर 2023, सुशासन दिवस के अवसर पर अटल मॉनीटरिंग पोर्टल का शुभारंभ किया गया। आम जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री ने जनर्दशन कार्यक्रम प्रारंभ किया है। ई गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए ई आफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल तथा स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अधिकाधिक क्षेत्रों

करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
औद्योगिक विकास की पहल-गज

नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 एक नवम्बर से लागू हो गई है। राज्य में उद्योगों को बढ़ावा एवं विस्तार देने के लिए नई औद्योगिक नीति में कई विधायिती प्रावधान किए गए हैं। उद्योग विभाग के सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 लागू किया गया है। इस पोर्टल पर एक बार आवेदन करने पर सभी विधायों से क्लीयरेंस मिलेगा। नया रायपुर को आईटी का हब बनाने का काम प्रारंभ किया गया है। दो आईटी कंपनियों से एमओयू किया गया है तथा उन्हें फर्निशड बिल्डअप एरिया भी उपलब्ध करा दिया गया है। इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ के आयोजन

ओर अयोध्या धाम तक सीधी कनकिटविटी बढ़ाने की साय सरकार की पहल को भारत सरकार की हरी झंडी। बस्तर में प्रचीनकाल से चले आ रहे अनेक एतिहासिक मेलों को सरकारी संरक्षण और सहायता दी जा रही है।

भृष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस-साय सरकार ने विदेशी मदिरा के थोक विक्रय व घंटारण के लिए प्रचलित एफएल 10 एबी लाइसेंस की व्यवस्था समाप्त कर विनियार्ताओं से सीधे थोक क्रय करने का निर्णय लिया है। विदेशी मदिरा के क्रय की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ ब्रेवरज कारपोरेशन को दी गई है। खनिजों के परिवहन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए साय सरकार ने ऑनलाइन ट्रॉजिट पास की

A portrait of a man with dark hair, wearing glasses and a red bindi on his forehead. He is dressed in a white kurta-pajama over an orange shawl with a subtle pattern. He is seated at a desk, looking slightly to the right of the camera. A microphone is positioned in front of him, and a small Indian flag is visible on the desk to his right.

गरीबों का मददगार सरकार-नवज़ुद द्वारा साय की सरकार ने गरीब जनता की मदद के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। 68 लाख गरीब परिवारों को अगले 5 साल तक मुफ्त राशन देने के लिए बजट में 3400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। ग्रामीण घरों को नल से पानी देने के लिए जल जीवन मिशन के तहत 4500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 40 लाख परिवारों को नल का कनेक्शन दिया जा चुका है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार

ह। राज्य में आर्थिक विकास का गत बढ़ान के लिए विशेषज्ञ संस्थाओं से परामर्श करने तथा देश और दुनिया में चल रहे बेस्ट प्रैक्टिसेस को राज्य में लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन प्रस्तावित है। कोरबा, बिलासपुर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन की निर्माण किया जा रहा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास- एमबीबीएस की पढाई अब हिंदी माध्यम से भी होगी। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ ही शहीद तीरंजागरण स्मिंड

व्यवस्था पुनः प्रारंभ की है। नक्सल समस्या पर अंकुश-साय के सुशासन में राज्य नक्सल समस्या से मुक्त होने की ओर अग्रसर है। सरकार ने बस्तर अंचल में सुरक्षा बल के 34 कैप स्थापित किए हैं। अभी 30 नए कैप और स्थापित करने की योजना है। राज्य स्तर पर एनआईए की तर्ज पर एसआईए का गठन किया गया है। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में नए कैपों के आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में नियद नेल्ला नार यानी आपका अच्छा गांव योजना चलाई जा रही है। इसके तहत 17 विभागों की 53 कल्याणकारी योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। 100 किमी मार्ग तथा 2 पुल और 52 पुलिया का निर्माण इन क्षेत्रों में किया गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में कौशल शिक्षा को एकीकृत करने की शुरूआत की गई है। 29 बंद स्कूलों को दोबारा खोला गया। माओवादी आंतक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण, अन्य जिलों के विद्यार्थियों को 1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने का प्रावधान लगाया जा रहा है।

पादशा बनान के लिए यूएससो के पूर्व चेयरमेन प्रदीप कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया गया है। उद्यम क्रांति योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण देने की व्यवस्था की गई है। आलपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले राज्य के युवाओं को सरकार तीन करोड़ रुपये देगी। रजत जीतने पर दो करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपये मिलेंगे।

सुशासन का मूलमन्त्र-राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के सफल

गरीबों का मददगार सरकार-विष्णु द्वितीय की सरकार ने गरीब जनता की मदद के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। 68 लाख गरीब परिवारों को अगले 5 साल तक मुफ्त राशन देने के लिए बजट में 3400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण धरों को नल से पानी देने के लिए जल जीवन मिशन के तहत 4500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 40 लाख परिवारों को नल का कनेक्शन दिया जा चुका है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत गरीब परिवर्गों को प्रतिवर्ष 10 हजार

ह। राज्य में आर्थिक विकास का गत बढ़ान के लिए विशेषज्ञ संस्थाओं से परामर्श करने तथा देश और दुनिया में चल रहे बेस्ट प्रैक्टिसेस को राज्य में लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन प्रस्तावित है। कोरबा, बिलासपुर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन की निर्माण किया जा रहा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास- एम्बीबीएस की पढ़ाई अब हिंदी माध्यम से भी होगी। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ ही शहीदी तीरप्रणालीया स्मिंड

हा ह। राज्य में सड़कों के विकास के लिए कद्र सरकार ने ११ हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र तथा संबंधित प्राधिकरणों की स्थापना की जा रही है।

संस्कृति-परंपरा, धर्म-राज्य में श्री मामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित हो जा रही है। राज्य के पांच शक्तिपीठों के विकास के लिए बजट में ५ करोड़ रुपये का विवादित किया गया है। राजिम मेले का भायोजन राजिम कुंभ कल्प के रूप में किया गया। इस संभाग में प्रक-प्रक गौ अभ्यागयर की सरकार ने किया ह।

जनता से सरोकार-साय सरकार ने जनर्दशन कार्यक्रम की शुरूआत करने के साथ ही भूमि-मकान के पंजीयन पर ऑनलाइन पैमेंट की सुविधा शुरू की गई है। भूमि संबंधी विवादों के निराकरण के लिए जिओ रिफ्रेंसिंग तकनीक को अपनाया गया है। बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रक पैद माँ के नाम

एक नजर

तिल्दा थाना प्रभारी को किया गया लाइन अटैच
रायपुर, 3 नवम्बर। इलाके में बढ़ते अपराधों के नियंत्रण रखने में उदासीनता बरते जाने पर तिल्दा थाना प्रभारी अविनाश सिंह तत्काल प्रभाव से हटाते हुए लाइन अटैच किया गया। रायपुर एसएसपी डॉ. संतोष सिंह ने आदेश जारी कर अविनाश सिंह की जगह संस्टेंड श्याम को तिल्दा-नेवरा का थाना थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

लखनलाल देवांगन 5 को राज्य स्थापना दिवस समारोह के कारबा में होगे मुख्य अंतिमि

रायपुर, 4 अक्टूबर। राज्य स्थापना दिवस, 2024 के अवसर पर 5 नवम्बर को जिला मुख्यालयों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले में मुख्य अंतिमि की सूची सामाचर प्रसानन विभाग द्वारा जारी कर दी गई है। इस क्रम में जिला मुख्यालय करबा के ओपन थियेटर घटावार चौक में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य अंतिमि के रूप में वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन मुख्य अंतिमि के रूप में शामिल होंगे।

प्रेमविहार से नाराज भाई ने छठेरी बहन के पति की चाकू मार कर हत्या कर दी

रायपुर, 3 नवम्बर। जिले के तिल्दा क्षेत्र में एक युवक को अपनी छठेरी बहन के प्रेम विवाह करना इतना नाबांग और जुरा कि उसने गुस्से में आकर अपनी बहन के पति की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने अरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार गत एक नववार दिवाली के दिन तिल्दा के रहने वाले ओप्रेक्राश राते उर्फ़गोल पिता जितराम राते की नेवरा के खमा छुंगा नाल के पास लास मिली थी। मुक्त ओप्रेक्राश के शरीर पर कई जाहां पर चोट के निशान मिले थे।

जिसकी सूचना पर तिल्दा नेवरा पुलिस ने धारा 194 बी.एन.एस.एस. कायम कर जांच शुरू की थी। इधर शब के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की हत्या किये जाने की बात समझने आई जिसपर पुलिस ने मामले की जांच में तेजी दिखाते हुए मुख्यालय के आधार पर एक संदेही युवक के कुमार का गिरफ्तार किया था पुछताछ की। पहले तो युवक मामले की जांच की बात करता रहा किंतु जब पुलिस ने सखी से पुछताछ की तो युवक ने ओप्रेक्राश की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। अरोपी हेम कुमार ने पुलिस को बताया कि मुक्त ओप्रेक्राश ने लगभग एक माह पहले उसके बड़े पिता की लड़की के साथ प्रेम विवाह किया था जिसे लेकर वह बहुत नाराज था तथा रिंजन राते हुए था। और मौका मिलने पर एक नववार की रात उसने ओप्रेक्राश की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी।

रामदेव अग्रवाल ने स्टॉक मार्केट में निवेश के गुरु सिखाये

रायपुर, 4 अक्टूबर। मोतीलाल ओप्रेसवाल पफ़ौशल स्टर्विस स्लिमिटेड के चेयरमैन श्री रामदेव अग्रवाल रायगढ़ी शरकत रायपुर के जैनार्टी में शिथ एवं पहुंचे और नगर पालिका निगम रायपुर के अयुक्त श्री अविनाश मिश्रा की विशेष उपस्थिति सहित एनआर्टी रायपुर के डीन एकड़ी प्रोफेसर शिरीष वर्मा एवं प्रोफेसर समीर वाजपेयी की उपस्थिति में मंच से एनआर्टी रायपुर के विद्यार्थी छात्र - छात्राओं सहित नगर के युवा उद्यमियों को स्टॉक मार्केट में निवेश करने के सबव्यास में गुरु सिखाये। श्री रामदेव अग्रवाल ने युवाओं को बतलाया कि वे अपने जीवन में शून्य से शिखर तक कैसे पहुंचे। श्री रामदेव अग्रवाल ने बताया कि वे कपड़ी बार मुक्के में पहुंचे, तो उनकी जेब में एक रुपये भी नहीं थे, वहाँ से प्रारम्भ कर आज उनका टर्नओवर 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुका है। श्री रामदेव अग्रवाल द्वारा स्टॉक मार्केट एवं निवेश के क्षेत्र में सफल बनने अनुभव पर दो गांवी सभी टिप्पणी को युवा उद्यमियों एवं छात्राओं ने ध्यानपूर्वक सुना कार्यक्रम में पहुंचने पर मोतीलाल ओप्रेसवाल फ़ौशल स्लिमिटेड के चेयरमैन श्री रामदेव अग्रवाल सहित रायपुर नगर पालिका निगम के अयुक्त श्री अविनाश मिश्रा का प्रसंग वर्मा एवं प्रोफेसर वाजपेयी ने आत्मीय स्वागत किया। श्री रामदेव अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी युवा उद्यमियों एवं छात्राओं का परिवार किया एवं स्टॉक मार्केट एवं निवेश के क्षेत्र को लेकर अपने निवेश करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

अंचल में रही मातर तिहार की धूम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भरखारा, 4 नवम्बर। दीवाली एवं गोवर्धन पूजा यौवार खत्त होने के बाद अंचल के गांवों में बाईदुर्ज के दिन मातर महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। गांव अंचल की परंपरा ताना-बाना और रहन-सहन से जुड़े हैं। इस पर्व को लोगों ने उत्साहपूर्वक मनाया। इस दैरान गांव के युवाओं की टीम ने एक से बढ़ कर एक करतब दिखाए शहर में आज लोग बलतरे दीर के साथ उपराने परंपरा को भूलते जा रहे हैं, लेकिन गांव की परम्परा को दर्शू जारी है। दीवाली धूम होने के बाद अंचली अंचल के ग्राम ऐसरोड, सेमरा, जोरावरी, पुरेना, कोलियारी, भेड़सर, सिंगदेही, सिवंवे, भखारा, भटेनी, बंजारी, बावौद, कुर्झा आदि गांवों में मातर तिहार धूमधाम से मनाया गया। मातर महोत्सव ग्रामीण क्षेत्रों का प्रमुख पर्व होता है। इसमें खास तौर पर ग्राम देवता, गोदान की पूजा होती है करतब



दिखाए जाते हैं और पूरा गांव उत्सव मनाता है।

क्या है मातर ?

दीवाली का पर्व सरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। लेकिन धूम होने के बाद अंचली अंचल के ग्राम ऐसरोड, सेमरा, जोरावरी, पुरेना, कोलियारी, भेड़सर, सिंगदेही, सिवंवे, भखारा, भटेनी, बंजारी, बावौद, कुर्झा आदि गांवों में मातर तिहार धूमधाम से मनाया गया।

गांव अलग स्वरूप देखने को मिलता है। मातर तिहार में ही दीवाली उत्सव चरम पर रहता है। ये पर्व ग्रामीण परंपरा, सामाजिक ताना-बाना और रहन-सहन से जुड़ा हुआ है। इसमें ग्राम देवता की पूजा होती है। इस दिन पूरा गांव एक साथ

गौठन पर इकड़ा होता है। जहाँ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

करतब का हुआ प्रदर्शन

अंचली में मातर अंतेरे तरीके से पूजा होती है। साथ ही गोदान की भी पूजा होती है। इस दिन पूरा गांव एक साथ

कोई साइक्ल को दांतों से उड़ा कर धूमाता दिखा। तो कोई पानी से भेर गुंडी को दांतों से उड़ा कर सीधी पर चढ़ गया। तो कोई कील के ऊपर सो कर अपने ऊपर अपने साथी को चढ़ा कर करतब दिखाता रहा। अनेकों सांस्कृतिक करतब देख कर लोग हैरान होते रहे।

इस अवसर पर यादव समाज द्वारा अंचल के गौलाली चौक में पुजारी परम्परा का निवहन करते हुए पुरे विश्व-विधान से पूजा अर्चना किया गया। इस अवसर पर यादव समाज द्वारा भाईयों द्वारा जारी की गयी धूमधाम से नियामन किया गया और परम्परा नियामन किया गया और साथ में कल्पना यात्रा भी निकला गया जिसमें पूरे गांव का भ्रमण किया गया। साथ ही अंचली अंचली समिति के भाईयों द्वारा अपने अंचली अंचली के सामने प्रस्तुत किया गया। यादव समाज द्वारा अनेक कार्यक्रम जैसे बालिकाओं के द्वारा सुआ नुत्र, रिकॉर्डिंग डांस आदि किया गया था कि लोगों के नमोहक हुए। उक कार्यक्रम में लेखारम साहू, बलजन सिंह ठाकुर एवं यादव समाज के लोग पक्का यादव, यादव, मूलचंद यादव, सालिक यादव, खुमान यादव, जगत यादव, कलीराम यादव, हिंज यादव, प्रेम लाल यादव व बड़ी संख्या ग्रामीणजन उपस्थित रहकर मातर महोत्सव का आनंद लिया।

नवदीप जनजागरण परिवार ने संजीव, गीतांजलि, चेतन का सम्मान किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भरखारा, 4 नवम्बर। नवदीप जनजागरण परिवार के द्वारा गोवर्धन पूजा के अवसर पर बाजार चौक बोझरा में ग्राम गोवर्धन परंपरा व संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दैरान देश सेवा के लिए चयनित युवा संजीव राते पिता कोमल सिंह राते, गोतांजलि सिन्हा पिता मनहरन सिन्हा साथ ही कक्षा दसवीं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर चेतन साहू पिता सुविष्ट साहू व कक्षा बारहवीं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर उन्हें प्रतीक चिह्न और प्रीमिय बैंट कर समाप्ति निरन्तर किया गया। आयोजन में युवाओं की उत्कृष्ण धूमधाम से बाहर निरंतर किया गया।



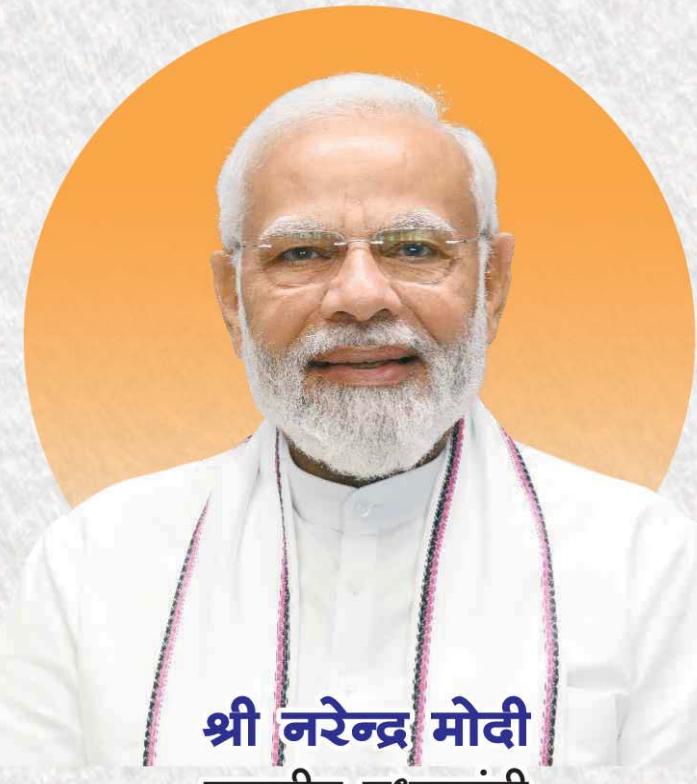
आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इस वर्ष भी गोवर्धन पूजा के पश्चात सम्मान का आयोजन किया गया एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती हुई।

कार्यक्रम में डॉ. ए.के. गजपाल संचालक गायत्री उद्यानिको महाविद्यालय धमतरी, पूरामार राते, कमलनेस साहू, राजेश साहू, परमानंद साहू, शेष नारायण

साहू, हरिनाथ साहू, द्विरक्षा सिन्हा, डोमर सिंह साहू, गिरवर साहू, मोहन लाल साहू, निर्मल साहू, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

ट्रक में आग लगने से वाहन चालक झूलस गया

पुलिस स्टाफ ने ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित निकाला बाहर</



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

2024
दिनांक 04 से 06 नवम्बर



श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस "राज्योत्सव"

उद्घाटन कार्यक्रम

04 नवम्बर, 2024

राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

अध्यक्ष

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि

डॉ. रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, विधानसभा छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री रामविचार नेताम, माननीय मंत्री
श्री दयाल दास बघेल, माननीय मंत्री
श्री केदार कश्यप, माननीय मंत्री
श्री लखन लाल देवांगन, माननीय मंत्री
श्री श्याम बिहारी जायसवाल, माननीय मंत्री
श्री ओ.पी. चौधरी, माननीय मंत्री
श्रीमती लक्ष्मी राजवाडे, माननीय मंत्री
श्री टंकराम वर्मा, माननीय मंत्री
डॉ. चरणदास महंत, माननीय नेता प्रतिपक्ष
श्री बृजमोहन अग्रवाल, माननीय संसद
श्री राजेश मण्ठ, माननीय विधायक
श्री पुरन्दर मिश्रा, माननीय विधायक
श्री मोती लाल साहू, माननीय विधायक
श्री अनुज शर्मा, माननीय विधायक
श्री गुरु खुशवंत साहेब, माननीय विधायक
श्री इंद्र कुमार साहू, माननीय विधायक

एवं

समस्त माननीय संसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष
एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गणिमायी उपस्थिति में आयोजित है।

आप सादर आमंत्रित हैं...

हमने बनाया है, हम ही सँवरेंगे



Visit us : [ChhattisgarhCMO](#) [ChhattisgarhCMO](#) [ChhattisgarhCMO](#) [ChhattisgarhCMO](#) [ChhattisgarhCMO](#) [DPRChhattisgarh](#) [DPRChhattisgarh](#) [www.dprcg.gov.in](#)

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

संवाद-42009/89